

०

५

२१२१२९१८



३

४

(D)

-81

२८३

राजस्थानी राजतीराम काला देवी

दासी गुरु गुरु महाराजा देवी

वेग बल बल द्विराट लाल देवी

नेत्रमधुरी रुद्रमधुरी लक्ष्मी देवी

लक्ष्मी विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु देवी

मातृपति लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी देवी

राजस्थानी राजतीराम देवी

दासी गुरु गुरु महाराजा देवी

Copy of the Rajwade Sanshodha Fund, Dholi and the Krishnawantia College, Pali, Mewat

(2)



२५८

~~राजाधमीगणना~~

~~दरायां~~

~~मुख्यमन्त्रीप्रतिरक्षा~~

~~प्रधानमंत्री~~

~~मंत्रीप्रतिरक्षा~~

~~भारतसभा~~

~~राजनीति~~

~~शिल्पविभाग~~

~~संसद~~

~~कानूनादेशविभाग~~

~~उत्तराखण्डमंत्री~~

~~उत्तरप्रदेशमंत्री~~

~~पश्चिमाञ्चलमंत्री~~

~~मध्यप्रदेशमंत्री~~

(4)

५८

राजा

(5)

स्त्रीलता राजनी दारोखला

उपर्युक्त

स्त्रीलता राजनी दारोखला
 हम तलाम लिखा नहीं राजनी दारोखला
 राजनी दारोखला देव प्रभात में राजनी
 यम तलाम लिखा नहीं राजनी दारोखला
 बहुत लिखा नहीं राजनी दारोखला
 बहुत लिखा नहीं राजनी दारोखला
 बहुत लिखा नहीं राजनी दारोखला
 परामर्श दिलाकर लिखा नहीं राजनी
 आदम लिखा नहीं राजनी दारोखला
 काजर की लिखा नहीं राजनी दारोखला
 मातृधर्म लिखा नहीं राजनी दारोखला
 दृष्टि लिखा नहीं राजनी दारोखला
 दृष्टि लिखा नहीं राजनी दारोखला
 दृष्टि लिखा नहीं राजनी दारोखला

(40)

(5)

四

293

1 (6)

अग्निशंखसु॥

service-seeking

(22)

वाचेष्वर अपाप्य

अग्निमंत्र रात्रि दास्या

मीरहरूषी

एमन्दिरोपज्ञस्मिन् गिरेपद्म

शोषणहरू उमतोपज्ञस्मिन्दानम्

(6A)

दृढ़पृष्ठमध्यमहीष्मतारी

भजुत्तमुपापोचरौ भजीष्मद्यज्ञी

उमशालिष्वर रथोष्मद्युम्जु

पायमैष्वरि ष्वयद्विरुद्धिष्वगुरु

दामरीरारोष्मद्विनम्बा गरंदूपग्ना

(6B)

उष्णरोपज्ञस्मिन्दानम्भज्ञरात्रयम्भ

मेष्वद्विष्वयोष्मद्विरामम्भिर्गो

क्षम्भिष्वद्वयद्वयउग्नम्भिष्वम्भ

वारेष्वद्वयतु यस्मिष्वम्भिष्वराग्नि

ष्वप्लम्भिष्वम्भिष्वम्भिष्वम्भिष्वम्भ

(6C)

~~अक्षम भासो देवी अणी नवयनी~~

ਉਮਰਾਲਿਭਾਜ਼ਰ ਰਾਖੀ ਨਿਧੁ ਮਨੁ

~~पापीमात्रिराष्ट्रधर्मादीष्टव्यग्रे~~

दामृदीर्दारोद्युष्मानीरंद्रुष्मान

ତୁମ୍ହାରେ ଏକମରାଧିକାନ୍ତରାଜ୍ୟ ମର୍ଦ୍ଦ

~~स्त्रीमण्डलजीव्यादपंरामभवित्वा~~

कल्पित्य द्वय उत्तमम्

दीपिकापुराणम्

गुरु राजदीप सिंह नाथ द्वारा लिखा

~~१० अद्यता विनाशक विनाशक~~

अस्त्रयुगाराप्निपद्धत्तेन्नेत्रन्दृष्टिम्

ଚୟାତପୁଣ୍ଡିନ୍ଦ୍ର କମଳାଯାମା

ପ୍ରାଚୀରଙ୍ଗତିମେଧନ ନମାଦାତୀର

ମୁଖ୍ୟାବ୍ୟାପ୍ତ ମିଶନ୍ସାହ୍ରାତ୍ରୀକାରୀତିଥିଲେ

ପ୍ରମାଣିତ ହେଲାକିମ୍ବାନୀ

१०८

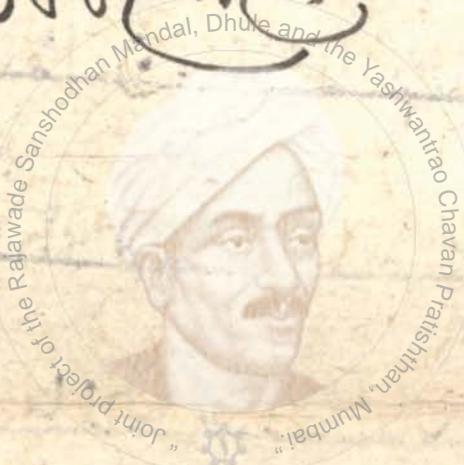
~~תְּהִלָּה וְעַמְּדָה וְעַמְּדָה~~

गोदृश्चयेनकाराप्रथमं द्वितीयं

उत्तमिकारप्रथमपरामर्शम्

गोदृश्चयेनकाराप्रथमं द्वितीयं

द्वितीयम्



"Joint Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pratishthan, Mumbai."



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com